गुड़िया की बिल्ली

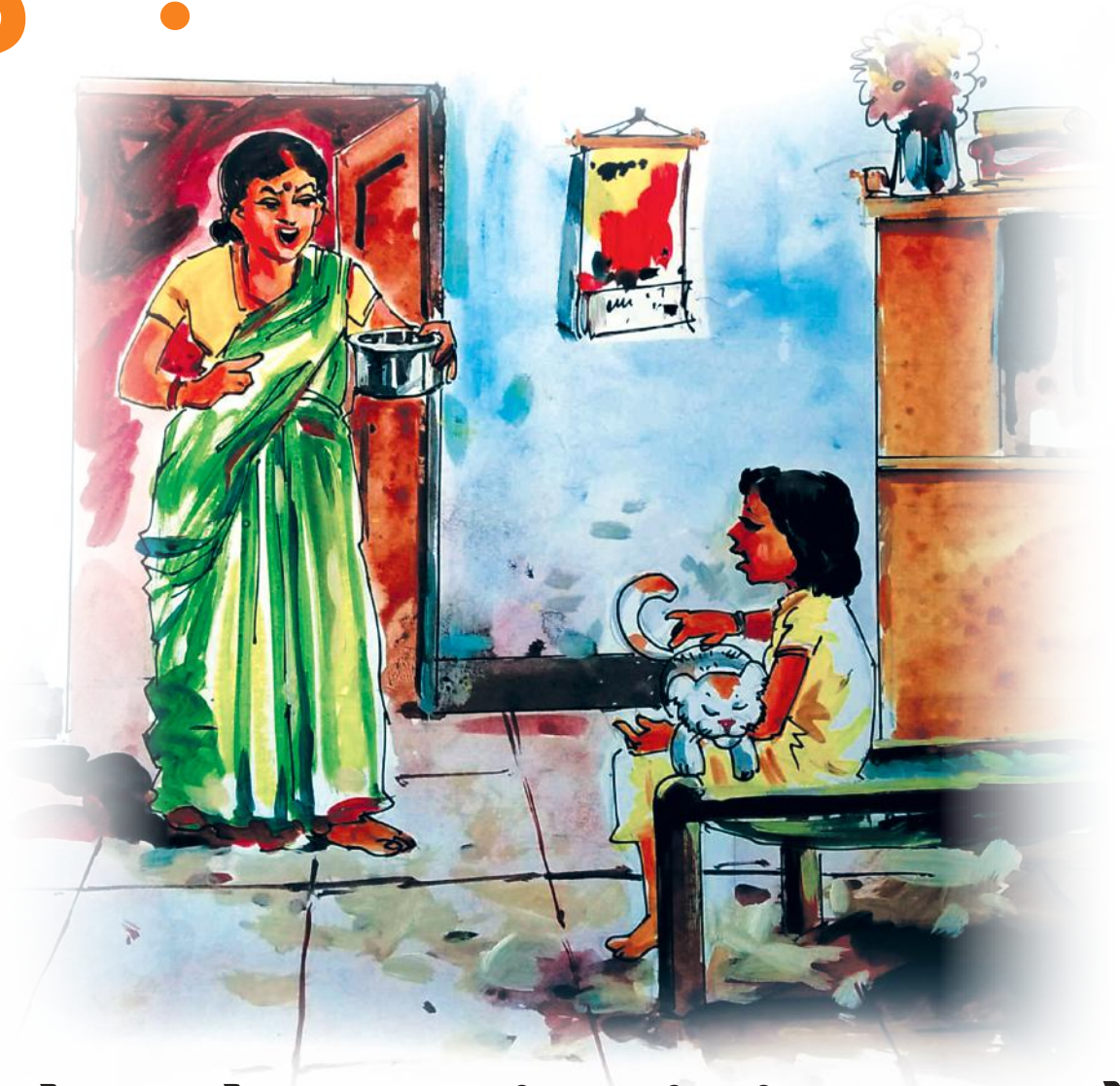

गुड़िया के घर में एक बिल्ली रहती थी। वह बहुत शैतान थी। एक दिन वह चुपके से सारा दूध पी गई। माँ बोली– ‘‘हाय रे! यह बिल्ली सारा दूध पी गई।’’ गुड़िया बोली– ‘‘माँ, तो क्या हुआ, दूध ही तो है।’’ एक दिन बिल्ली ने गुड़िया के भाई की किताब फाड़ दी।

भाई बोला- "हाय रे! बिल्ली ने मेरी किताब फाड़ दी।" गुड़िया बोली- "तो क्या हुआ, किताब ही तो है।" तब, एक दिन बिल्ली ने गुड़िया की गुड़िया तोड़ दी। गुड़िया बोली- "मम्मी, मेरी गुड़िया!" मम्मी और भाई ज़ोर से हँसे और बोले- "तो क्या हुआ, गुड़िया ही तो है।"

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP

Designed by www.stelladesignandprint.com